## मगर भाषा (दुट) व्याकरण

लोकबहादुर थापामगर

नेपाल प्रज्ञा-प्रतिष्ठान

## मगर भाषा (दुट) व्याकरण

व्याकरणकार लोकबहादुर थापामगर संस्करण पहिलो, २०६८ (१९०० प्रति) प्रकाशन मिति २०६८

प्रकाशक नेपाल प्रज्ञा-प्रतिष्ठान कमलादी, काठमाडौँ

ले-आउट रञ्जन घिमिरे

आवरण सज्जा

वसन्तराज अज्ञात

*मुद्रण* प्रज्ञा छापाखाना कमलादी, काठमाडौँ

मूल्य रू. २२५।-

ISBN: 9789937-8491-5-9

Magar Bahasha (Dhut) Byakaran by Lok Bahadur Thapa Magar

## विषयसूची

१. मगर भाषा (ढुट) : परिचय	9
१.१. परिचय	9
१.२. अनुसन्धानको काल, सीमा र भौगोलिक क्षेत्र	2
१.३. व्याकरण लेखनको औचित्य र महत्त्व	3
१.४. अनुसन्धानको उद्देश्य	R
१.५. पूर्वकार्यको समालोचनात्मक सर्वेक्षण	3
१.६. साहित्यगत स्थिति	X
१.७. भाषागत स्थिति	9
१.८. मगर ढुटको नामकरण	9
१.९. अनुसन्धानविधि	5
१.१०. भाषागत विविधता	9
२. मगर भाषा (ढ्ट) : वर्णव्यवस्था	90
२.१. वर्णमाला	90
२.२. मगर ढुट वर्णमाला	90
२.३. स्वरवर्ण	90
२.३.१. द्विस्वर	99
२.३.२. अनुनासिकता	99
२.३.३. मगर ढुट स्वरवर्णको वितरणप्रणाली	92
२.३.४. महाप्राण स्वरको वितरणप्रणाली	93
२,३,५. स्वरवर्णको वर्गीकरण	93
२.३.६. स्वरवर्णका अर्थभेदक जोडीहरू	98
२.३.७. महाप्राण स्वरवर्णका अर्थभेदक जोडीहरू	94
२ ४ व्यञ्जनवर्ण	१६
२.४.१. मगर ढुट व्यञ्जनवर्णका अर्थभेदक जोडीहरू	98
२४२ व्यञ्जनवर्णको वर्गीकरण	90
२.४.३. मगर ढुट व्यञ्जनवर्णको वितरणप्रणाली	50